

1215

1 को 10 पापों उपनिषत् ७ श्रीमद्भागवत आदि
उत्तर 23-818 की पापों नारी श्री गुरुदेव
दिल्ली कापल काई पण्डित श्रीपदवी देव दिवस
24-2-20 को (उपनिषत्)

उपलब्ध अधिकारी, सूरजगढ़

-20

पदावली पैदा हुई वर-कार आकाश मण्डल अर्थात्
अक्षय हर वादी-दाजीर कही आका कही उमकी
और लौ मौई अक्षयम्मा उपनिषत् आका आका
श्रीमद्भागवत अक्षय दाजरी अक्षय पैदा के खात्रीज
किया जाता है पदावली केशम अक्षय होकर कश्कर
और नम हो वाद जाता है शिवक दफतर है

उपलब्ध अधिकारी, सूरजगढ़

